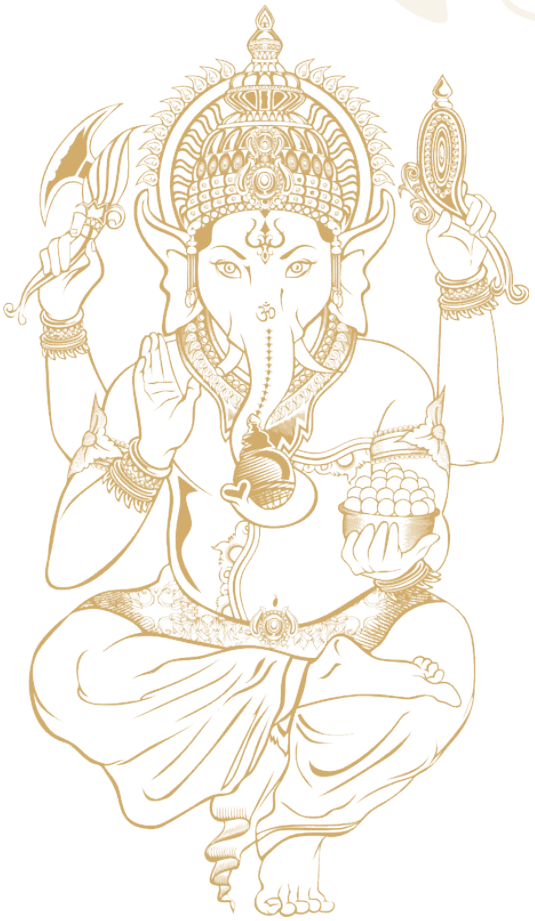

Chandan

23 Feb 2004

02:48 PM

Jaitaran

Model: web-freekundliweb

Order No: 121183804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/02/2004**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**14:48:35 घंटे**
इष्ट	19:21:15 घटी
स्थान	**Jaitaran**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:14:00 उत्तर
रेखांश	74:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:14:35 घंटे
वेलान्तर	-00:13:29 घंटे
साम्पातिक काल	00:25:04 घंटे
सूर्योदय	07:04:04 घंटे
सूर्यास्त	18:31:11 घंटे
दिनमान	11:27:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:10:58 कुम्भ
लग्न के अंश	22:40:37 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	22:40:37	314:56:50	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	---
सूर्य			कुंभ	10:10:58	01:00:26	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	17:10:54	12:47:35	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	18:49:41	00:38:26	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	स्वराशि
बुध		अ	कुंभ	02:18:28	01:44:19	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	21:19:19	00:07:35	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	23:14:05	01:08:53	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	12:32:19	00:01:29	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मेष	19:44:21	00:05:48	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	19:44:21	00:05:48	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:56:52	00:03:28	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:44:25	00:02:10	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	28:04:51	00:01:00	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मीन	12:54:34	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:43

लग्न-चलित

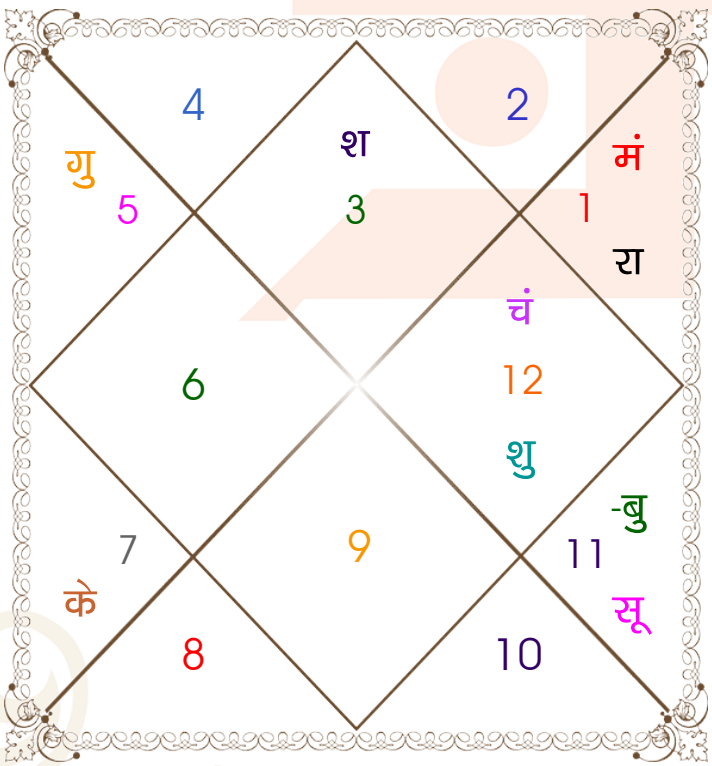

चन्द्र कुंडली

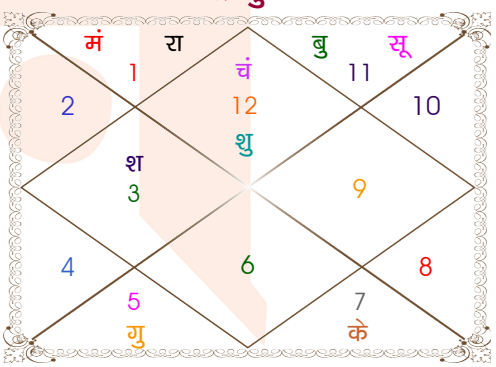

नवमांश कुंडली

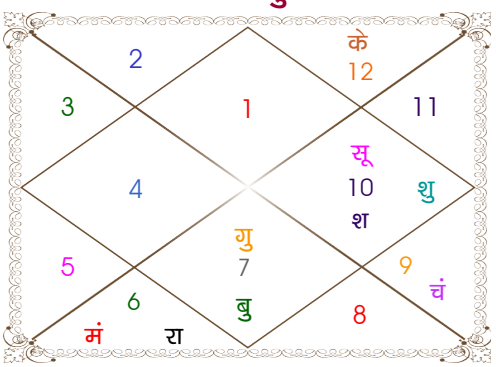

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 4 मास 3 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/02/2004		27/06/2020		28/06/2027		28/06/2047		28/06/2053	
27/06/2020		28/06/2027		28/06/2047		28/06/2053		28/06/2063	
बुध	24/11/2005	केतु	24/11/2020	शुक्र	28/10/2030	सूर्य	16/10/2047	चंद्र	28/04/2054
केतु	21/11/2006	शुक्र	24/01/2022	सूर्य	28/10/2031	चंद्र	15/04/2048	मंगल	27/11/2054
शुक्र	21/09/2009	सूर्य	01/06/2022	चंद्र	28/06/2033	मंगल	21/08/2048	राहु	28/05/2056
सूर्य	28/07/2010	चंद्र	31/12/2022	मंगल	28/08/2034	राहु	16/07/2049	गुरु	27/09/2057
चंद्र	28/12/2011	मंगल	29/05/2023	राहु	28/08/2037	गुरु	04/05/2050	शनि	28/04/2059
मंगल	24/12/2012	राहु	15/06/2024	गुरु	28/04/2040	शनि	16/04/2051	बुध	27/09/2060
राहु	13/07/2015	गुरु	22/05/2025	शनि	28/06/2043	बुध	21/02/2052	केतु	28/04/2061
गुरु	18/10/2017	शनि	01/07/2026	बुध	28/04/2046	केतु	27/06/2052	शुक्र	28/12/2062
शनि	27/06/2020	बुध	28/06/2027	केतु	28/06/2047	शुक्र	28/06/2053	सूर्य	28/06/2063

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/06/2063		28/06/2070		27/06/2088		28/06/2104		29/06/2123	
28/06/2070		27/06/2088		28/06/2104		29/06/2123		00/00/0000	
मंगल	24/11/2063	राहु	10/03/2073	गुरु	16/08/2090	शनि	02/07/2107	बुध	24/02/2124
राहु	12/12/2064	गुरु	04/08/2075	शनि	26/02/2093	बुध	11/03/2110		00/00/0000
गुरु	18/11/2065	शनि	10/06/2078	बुध	04/06/2095	केतु	20/04/2111		00/00/0000
शनि	28/12/2066	बुध	27/12/2080	केतु	10/05/2096	शुक्र	20/06/2114		00/00/0000
बुध	25/12/2067	केतु	15/01/2082	शुक्र	09/01/2099	सूर्य	02/06/2115		00/00/0000
केतु	22/05/2068	शुक्र	14/01/2085	सूर्य	28/10/2099	चंद्र	31/12/2116		00/00/0000
शुक्र	22/07/2069	सूर्य	09/12/2085	चंद्र	27/02/2101	मंगल	09/02/2118		00/00/0000
सूर्य	27/11/2069	चंद्र	10/06/2087	मंगल	03/02/2102	राहु	16/12/2120		00/00/0000
चंद्र	28/06/2070	मंगल	27/06/2088	राहु	28/06/2104	गुरु	29/06/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 4 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहते हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगे। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगे तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगे तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि के प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहते हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहते हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकते हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगा। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाते हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करते हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपनी पत्नी एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगे। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन संगिनी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य स्त्री के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाले तथा विचलित हो जाने वाले व्यक्ति हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकते हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगे। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकते हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते। आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं

परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।